PMA2020 वॉश संक्षेप

PMA2017/RAJASTHAN-R2

परफॉरमेंस मोनिटरिंग एंड एकाउंटेबिलिटी 2020

PMA2020 के अंतर्गत परिवार नियोजन तथा जल, स्वच्छता, व साफ-सफाई (वॉश) के महत्त्वपूर्ण संकेतकों की मोनिटरिंग के लिए कम लागत व त्वरित सर्वेक्षण हेतु मोबाइल तकनीक का उपयोग किया जाता है। इस परियोजना का क्रियान्वयन 11 देशो में स्थानीय विश्वविद्यालय तथा शोध संस्थानों द्वारा मोबाइल के माध्यम से सूचनाएं एकत्रित करने में प्रशिक्षित स्थानीय महिला एनुमेरेटर के माध्यम से किया जा रहा है। इस परियोजना का संचालन भारतीय स्वास्थ्य प्रबंध शोध संस्थान (IIHMR) विश्वविद्यालय, जयपुर द्वारा किया जा रहा है। इस हेतु तकनीकी सहयोग एवं समर्थन अंतरराष्ट्रीय जनसंख्या विज्ञान संस्थान (IIPS) तथा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय (MoHFW) द्वारा प्रदान किया गया है। बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन अनुदानित इस परियोजना का संचालन जोहन्स होपकिन्स ब्लूमबर्ग स्कूल ऑफ़ पब्लिक हैल्थ स्थित बिल एंड मेलिंडा गेट्स जनसँख्या एवं प्रजनन स्वास्थ्य संस्थान तथा जोहन्स होपकिन्स यूनिवर्सीटी वाटर इन्स्टीट्यूट के दिशानिर्देश व सहयोग से किया जा रहा है

PMA2020 के बारे में अधिक जानकारी हेतु कृपया http://www.pma2020.org पर जाएँ|

जल, स्वच्छता, व साफ-सफाई (वॉश) के मुख्य संकेतक

परिवार मे शौचालय की मुख्य सुविधा

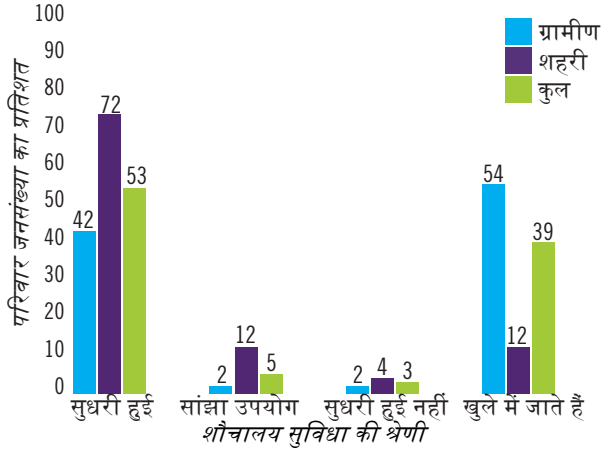

सुधरी हुई एवं साँझा उपयोग, दोनों प्रकार की शौचालय सुविधाओं का उपयोग शहरी क्षेत्रों में अधिक है| तुलनात्मक तौर पर खुले में शौच का व्यव्हार ग्रामीण क्षेत्रों में अधिक है|

खुले में शौच एक प्रमुख व्यवहार के रूप में, निवास अनुसार

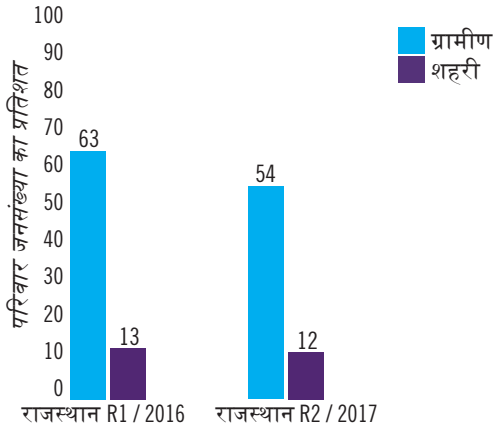

खुले में शौच एक प्रमुख व्यवहार के रूप में पहले राउंड एवं दुसरे राउंड के डाटा कलेक्शन के बीच कम हुआ है|

बच्चों के अपशिष्ट / मल का प्रबंधन*

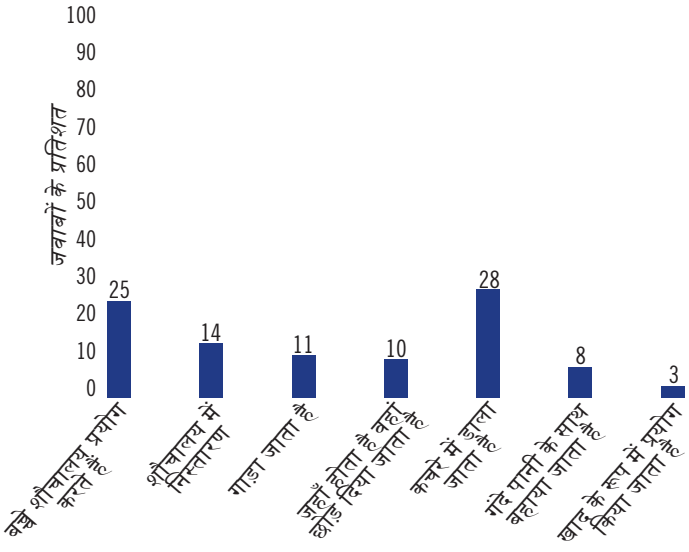

*एक से अधिक उत्तर संभव

असुरक्षित पेयजल का उपयोग करने वाले परिवार, जाति के अनुसार

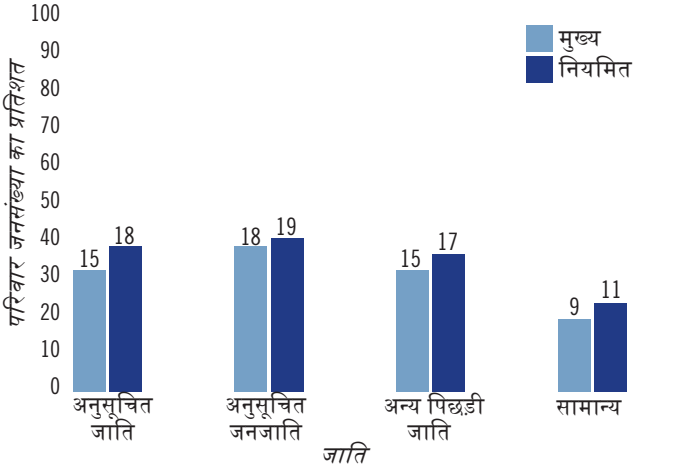

नियमित रूप से असुरक्षित पेयजल के स्रोत प्रयोग करने वाले परिवार के सदस्यों में अनुसूचित जनजाति के सदस्यों की संख्या सर्वाधिक है एवं सामान्य श्रेणी के सदस्यों की संख्या सबसे कम है। पानी के उपयोग के नियमित स्रोत में परिवार के मुख्य स्रोत के अलावा ऐसे अन्य स्रोत भी सम्मिलित है जिनका उपयोग वह परिवार करता है|

JOHNS HOPKINS BLOOMBERG SCHOOL of PUBLIC HEALTH
BILL & MELINDA GATES INSTITUTE for POPULATION and REPRODUCTIVE HEALTH
JOHNS HOPKINS WATER INSTITUTE
PMA2020

PMA2017/RAJASTHAN-ROUND 2

जल, स्वच्छता, व साफ-सफाई (वॉश) के संकेतकों को चुनें

परिवार में हाथ धोने के निर्धारित स्थान की उपलब्धता

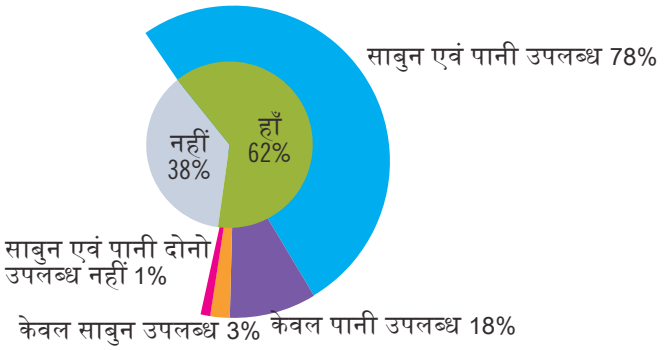

राजस्थान में 62% परिवारों की हाथ धोने के निर्धारित स्थान तक पहुंच है। जिन परिवारों में हाथ धोने का निर्धारित स्थान पाया गया उनमेंसे लगभग 78% में साबुन एवं पानी दोनो उस निर्धारित स्थान पर साक्षात्कार के समय पाए गए।

स्वास्थ्य सुविधाओं में हाथ धोने की सुविधा तक पहुँच

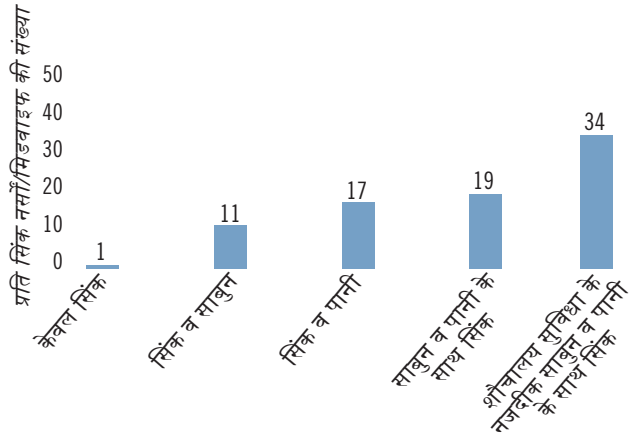

स्वास्थय सुविधाओं पर अवलोकन किये गए प्रत्येक सिंक पर कार्य के दौरान औसतन 34 नर्सेज या मिडवाइफ हैं, जो की विश्व स्वास्थय संगठन के मापदंडों (अर्थात साथ में साबुन व पानी होना और शौचालय सुविधा के नजदीक होना), को भी पूरा करता है|

पेय जल के मुख्य स्रोत (सुरक्षित) पर निर्भरता*

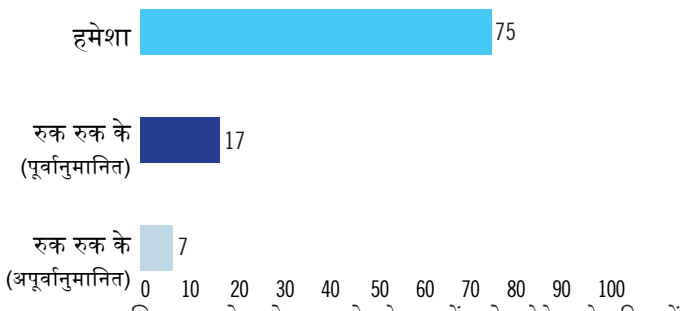

जिन परिवारों का मुख्य जल स्रोत सुरक्षित है उनमें से अधिकतर ने बताया कि ये हमेशा उपलब्ध रहता है।
* राउंड ऑफ के कारण कुल योग 100% नहीं है

परिवार के नियमित पेयजल स्रोतों की संख्या

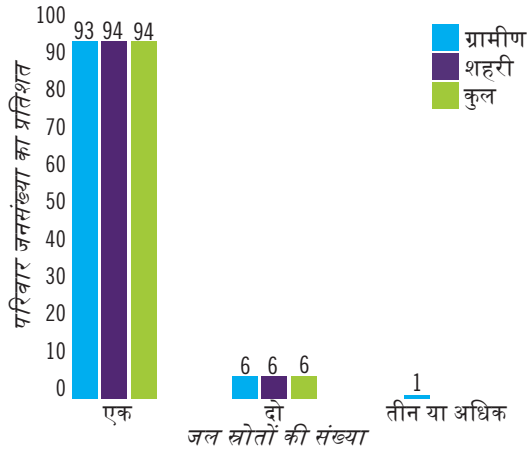

राजस्थान में अधिकतर परिवार पेयजल के केवल एक ही स्त्रोत पर निर्भर रहते हैं। 6% परिवार अपनी पेयजल जरूरतों को पूरा करने के लिए एक और अतिरिक्त जल स्त्रोत का प्रयोग करते हैं।

सेंपल डिजाईन

PMA2017/राजस्थान सर्वेक्षण हेतु द्वी-स्तरीय क्लस्टर डिजाईन का उपयोग किया गया है। अंतरराष्ट्रीय जनसंख्या विज्ञान संस्थान द्वारा मास्टर सेंपलिंग फ्रेम के माध्यम से 147 गणन क्षेत्रों (EA) का सेंपल निकाला गया था। प्रत्येक (EA) में से परिवारों एवं स्वास्थ्य संस्थाओं की सूचियाँ एवं मैप तैयार किए गऐ, जिनमें से 35 परिवारों का रैंडम विधि से चुनाव किया गया। परिवारों का सर्वेक्षण किया गया एवं उनमें रहने वाले सदस्यों की प्रगणना की गयी। अंतिम पूर्ण सेम्पल में 4,998 परिवार एवं 24,959 लोगों को शामिल किया गया। सूचनाएं फरबरी व अप्रैल 2017 के दौरान एकत्रित की गयीं। सुरक्षित एवं असुरक्षित जल स्रोतों एवं शौचालय सुविधाओं की परिभाषाएं WHO / UNICEF के संयुक्त मोनिटरिंग कार्यक्रम में प्रयोग की गयी परिभाषाओं के अनुरूप हैं, इनमे केवल एक अपवाद है कि यदि परिवार सुरक्षित जल स्रोत्र का प्रयोग (बोतल वाले पानी सहित) अन्य घरेलू उपयोगों हेतु भी करता है तो हम बोतल वाले पानी के प्रयोग को सुरक्षित जल मान रहे हैं

फोटो श्रेयः संदीपन मजुमदार (2006), फोटोशेयर के सौजन्य से